



# बिहार गजट

## असाधारण अंक

### बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

29 अग्रहायण 1944 (श10)  
(सं0 पटना 1098) पटना, मंगलवार, 20 दिसम्बर 2022

जल संसाधन विभाग

अधिसूचना  
8 सितम्बर 2022

सं० 22/नि०सि०(औ०)17-09/2017/2183—श्री सुनील कुमार वैश्य, (आई०डी०-3809) तत्कालीन सहायक अभियंता, सोन नहर प्रमंडल, खगौल द्वारा अपने उक्त पदस्थापन काल में बरती गई अनियमितता की जाँच विभागीय उडनदस्ता अंचल-02 द्वारा की गई। जिसके सम्यक समीक्षोपरांत निम्न आरोप के संबंध में विभागीय पत्रांक-62, दिनांक 14.02.17 द्वारा श्री वैश्य से स्पष्टीकरण किया गया।

**आरोप सं०-(1)**—नगर परिषद, खगौल द्वारा विभागीय भूमि बदलपुरा थाना सं०-52, प्लॉट सं०-413, 414, 415, 416 में अवैध निर्माण की सूचना आपके द्वारा उच्चाधिकारियों को नहीं दी गई। उक्त अवैध निर्माण की सूचना खगौल की जनता द्वारा माननीय विभागीय मंत्री को दिनांक 08.01.2013 को परिवाद के द्वारा मिली।

**आरोप सं०-(2)**—कार्यपालक अभियंता, सोन नहर प्रमंडल, खगौल, पटना द्वारा पत्रांक-795, दिनांक 26.04.12 में दिये गये आदेश के आलोक में आपके द्वारा अवैध निर्माण रोकने हेतु ससमय कार्रवाई नहीं की गई।

**आरोप सं०-(3)**—कार्यपालक अभियंता, सोन नहर प्रमंडल, खगौल के पत्रांक-446, दिनांक 16.03.13 में दिये गए निदेश के आलोक में आपके द्वारा अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई।

श्री वैश्य द्वारा अपना स्पष्टीकरण समर्पित किया गया। अपने स्पष्टीकरण में श्री वैश्य द्वारा कहा गया कि अवर प्रमंडल पदाधिकारी, नौबतपुर का पदभार ग्रहण करने के पूर्व ही तत्कालीन अवर प्रमंडल पदाधिकारी द्वारा स्थानीय थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी एवं पत्रांक-694, दिनांक 03.04.12 द्वारा मामले की सूचना कार्यपालक अभियंता द्वारा उच्चाधिकारियों को दी गई। श्री वैश्य द्वारा कहा गया कि अनुमंडल पदाधिकारी, दानापुर के आवासीय कार्यालय में मुलाकात कर अवैध निर्माण कार्य बन्द कराने का अनुरोध किया। परन्तु नक्शा एवं अभिलेख उपलब्ध नहीं रहने के कारण तथा प्रशासनिक एवं पुलिस स्तर से अपेक्षित सहयोग नहीं मिलने के कारण ही BUDCO वै द्वारा जल मीनार का निर्माण कार्य कराया जा सका।

उडनदस्ता द्वारा समर्पित जाँच प्रतिवेदन श्री वैश्य के विरुद्ध गठित आरोप एवं श्री वैश्य द्वारा समर्पित स्पष्टीकरण की समीक्षा सरकार के स्तर पर की गई। सम्यक समीक्षोपरांत पाया गया कि श्री वैश्य द्वारा स्थानीय अंचलाधिकारी के यहाँ अतिक्रमणवाद दायर किया जाना चाहिए था जो नहीं किया गया। इसके लिए श्री वैश्य उत्तरदायी पाये गये। साथ ही श्री वैश्य द्वारा इतने दिनों तक (दिनांक 16.04.12 से दिनांक 22.08.13 तक) अनुमंडल पदाधिकारी/अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, दानापुर से सम्पर्क नहीं किया जाना विभागीय जमीन पर किये गये अतिक्रमण को अतिक्रमण मुक्त करने के प्रति उनकी लापरवाही एवं गैर जिम्मेदाराना आचरण को देखते हुए उनके विरुद्ध आरोप

को प्रमाणित पाया गया। उक्त प्रमाणित आरोपों के लिए श्री वैश्य के विरुद्ध "निन्दन की सजा एवं दो वेतनवृद्धि पर असंचयात्मक प्रभाव से रोक" का दण्ड अधिरोपित करने का निर्णय सरकार द्वारा लिया गया।

उक्त निर्णय के आलोक में श्री सुनील कुमार वैश्य (आई0डी0-3809), तत0 सहायक अभियंता, सोन नहर प्रमंडल, खगौल को विभागीय अधिसूचना सं0-2593 दिनांक 13.12.2019 द्वारा निम्न दण्ड अधिरोपित एवं संसूचित किया गया :-

(i) निन्दन की सजा (आरोप वर्ष 2013-2014)।

(ii) दो (02) वेतनवृद्धि पर असंचयात्मक प्रभाव से रोक।

उक्त दण्ड के आलोक में श्री वैश्य द्वारा पुनर्विलोकन याचिका समर्पित की गई, जिसकी समीक्षा सरकार के स्तर पर की गई। सम्यक समीक्षोपरांत पाया गया कि श्री वैश्य द्वारा अपने पुनर्विलोकन अर्जी में उसी बात को पुनः दोहराया गया है जिसका वर्णन पूर्व में उनके द्वारा दिये गये स्पष्टीकरण में अंकित है। उक्त के आलोक में सक्षम प्राधिकार द्वारा श्री वैश्य के पुनर्विलोकन अर्जी को अस्वीकार करने का निर्णय लिया गया।

उक्त निर्णय के आलोक में श्री सुनील कुमार वैश्य, (आई0डी0-3809) तत्कालीन सहायक अभियंता, सोन नहर प्रमंडल, खगौल के विरुद्ध अधिसूचना सं0-2593 दिनांक 13.12.2019 द्वारा संसूचित दण्ड को बरकरार रखते हुए श्री वैश्य द्वारा समर्पित पुनर्विलोकन अर्जी को अस्वीकार किया जाता है।

उक्त आदेश श्री वैश्य को संसूचित किया जाता है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,  
संतोष कुमार सिन्हा,  
सरकार के अवर सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट (असाधारण) 1098-571+10-डी0टी0पी0

Website: <http://egazette.bih.nic.in>